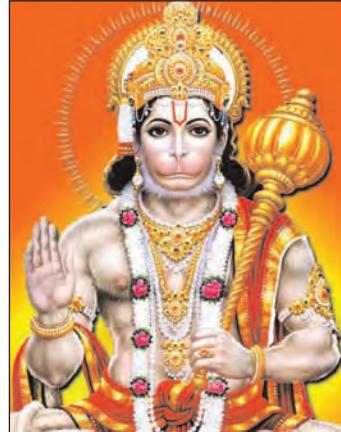


# सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर



नगर संस्करण



hpshukla50@gmail.com

सोमवार, 06 जनवरी 2025

वर्ष: 02, अंक: 322, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रु.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महाकुंभ मेले को उड़ाने की धमकी देने वाला महाकुंभ आरोपित बिहार से गिरफ्तार

महाकुंभ नगर

प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को उत्तर प्रदेश पुलिस ने बिहार के पूर्णिया जिले से गिरफ्तार किया। विरष्ट पुलिस अधीक्षक कुम्भ मेला राजेश कुमार द्विवेदी ने रविवार को बताया कि एकड़े गये आरोपित का नाम आयुष कुमार जायसबाल है। उसने सोशल मीडिया पर 'आसिर पठान' के नाम की फैली अईडी से धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस उसकी तालाश में जुट गई। लोकेशन ?के आधार पर प्रयागराज पुलिस ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर पुर्णिया के शहीदगंज पंचायत के बार्ड नंबर चार से आयुष को धर दबोचा। बिहार के भवानीपुर थानाध्यक्ष मुख्यमंत्री कुमार लगातार यह कह रहे कि वह अब कहीं नहीं जा रहे। साथ में भाजपा नेता व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिंहा भी साथ थे। गोपालगंज के बाद रविवार को मुजफ्फरपुर में उड़ाने यह बात बड़े मजबूत अंदाज में दोहरायी। शनिवार को गोपालगंज में जब उड़ाने वह बात की तो उसका महत्व इस वजह से था कि दो दिन पहले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने यह कहा था कि महानवंदन में नीतीश कुमार के लिए दरवाजा खुला हुआ है। इसके बाद से राजनीतिक गतियों में कई तरह की चर्चा आरंभ हो गयी थी। मुख्यमंत्री ने जिस समीक्षा बैठक में यह बात कही उड़ाने की कोशिश की जाती है। पुर्णिया के पुलिस अधीक्षक गिरफ्तारी शर्मा ने बताया कि यूपी पुलिस आरोपित को प्रयागराज ले जाकर पछताछ कर रही है। साथ ही, स्थानीय पुलिस भी उसके संपर्क और नेपाल यात्रा

मुजफ्फरपुर में भी नीतीश कुमार ने कहा- अब इधर-उधर नहीं जाएंगे

लालू और तेजस्वी के दाव को गलत साबित करने के लिए हो रही बयानबाजी

पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर जिले को 451 करोड़ की 76 योजनाओं की दी सौगात किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा है। उम्मीद है कि राज्य के विकास के लिए हमलाग लगातार काम कर रहे हैं। हम दो बार गलती से उधर चले गए थे, अब एडरेंस में ही रहेंगे और साथ मिलकर काम करेंगे। हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्गों के हित के लिए हमने काम किया है।



## 'अब कहीं नहीं जा रहे'...सीएम नीतीश कुमार

गलती से चले गए थे अब नहीं जाएंगे: सीएम नीतीश कुमार

## 'जबसे काम का मौका मिला तब से बिहार की स्थिति बदली'

सीएम नीतीश ने कहा कि प्रायः हमें मुजफ्फरपुर के बीच झगड़े की बात सामने आई थी। जबसे हमलाओं को काम करने का मौका मिला तब से बिहार की स्थिति बदली है।

नीतीश अन्यसंख्यकों के लिए काम पर भी बोल रहे। इसे उनकी यूप्रेसी माना जाता है। गोपालगंज की समीक्षा बैठक में उड़ाने कहा कि उनकी सरकार ने अब तक आठ हजार कविस्तानों की धेरावंदी करा दी जाएंगी मर्दियों में

जाएंगे। राजद नेताओं ने इसके बाद यह कहना शुरू कर दिया है कि नीतीश डे हुए हैं। इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

वह कह रहे कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की हालत काफी

खराब थी। शाम के बाद लोग घर से बाहर निकलने से डरते थे। अस्पतालों में इलाज का इंतजाम नहीं था। सड़कों

पर उड़ाने की जाती है। उड़ाने में भी भूमिका निभाती है। चौथी नीतीश की जीवन लेने का बोटाला हो, सुशील मोदी ने लालू परिवार के हर भ्राताचार को उड़ान सबसे तेज विकास होने वाला प्रदेश बनाने में बड़ी भूमिका निभाती है। चौथी नीतीश का अरक्षण दिया। बिहार में अब महिला स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10.61 लाख हो गयी है।

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर हमलावर हैं

नीतीश अपनी प्रतियोगी में अब राजद के 15 वर्षों के कार्यकाल में जो स्थिति थी उस पर हमलावर हैं।

इस बात को लेकर





क्या सचमुच पेड़ पर उगती है  
स्पेगेटी! पहली अप्रैल को क्यों  
हुई फेमस वेट लॉस तो होगा  
ही... थुगर भी नहीं बढ़ेगी



बत्ता ही या बड़ा, हर किसी को पासा खाना बहुत पसंद होता है, पासा की कई वैयापी होती हैं लैकिन लोगों को इसके बारे में पता नहीं होता, ये गोटी

पासा ही है लैकिन लोग उसे नुडल्स समझने की भूल कर बैठते हैं,

स्पेगेटी हर सप्तमार्षी में और रेस्टोरेंट में मिलती है, लैकिन बहुत से लोग इसे देखते ही कंपफ्लू हो जाते हैं, कई इसे नुडल्स समझता है तो कोई इसे सेव्ह नुडल्स बैठता है, स्पेगेटी एक इंटर्नेशनल डिश है जो पासा का ही एक प्रकार है, यह खेने में तो टेस्टी होती ही है लैकिन सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है, 4 जनवरी को National Spaghetti Day मनाया जाता है, इस कोप पर जानते हैं तो लजीज, गोल, लेबे और पतले इस पासा को कैसे पौपुलेटी मिलती है।

कई तरह की स्पेगेटी

पासा इटलियन डिश है, इसे लगभग 2300 साल पहले बनाया गया, तब इसे आटे से चौकर आकार का बनाया जाता था जो सैडबिच नाम के लिए राखा गया था, इसे तीप काफ़ी बनाया जाता था, थीरे-थीरे पासा का रस स्वच्छ बला, इसे कई आकारों में बनाया गया, 1900 में पासा की इंस्ट्री तेजी से बढ़ी और तभी स्पेगेटी का जन्म हुआ, दूसरे विश्व युद्ध से पहले 1955 तक इटली में इसका प्रोडक्शन डबल हो गया था, इटली में स्पेगेटी पहले 14 किलोग्राम प्रति व्हिक्टि खाली जाती थी जो बाद में 28 किलोग्राम हो गई, बढ़ती डिमांड के चलते यह इटली से इटलीकरण शुरू हो गई, बढ़ती डिमांड के लिए उत्तरी थाई लैकिन लोगों की पासा की स्पेगेटी की जिसका मतलब है पहली तार.

स्पेगेटी की लिए उड़ी अपावाह

1957 में ऑल फूल डे के दिन बीबीसी ने अपने कार्यक्रम 'पोरोमा' पर एक 3 मिनट की रिपोर्ट दिखाई जिसमें स्पेगेटी पेड़ पर उग रही थी, यह लोगों के साथ मजाक करने के लिए बनाई गई थी, इस पुटेजे में दिखाया गया कि दिखायी स्विटरलैंड में एक किसान परिवार स्पेगेटी के बेड़े से स्पेगेटी तोड़ रहा है, जिसका तब ब्रिटेन के लोग स्पेगेटी से अनजान थे लेकिन उन्होंने जैनल पर फोन कर इसे आना का तरीका पूछा, कई साल बाद नामी न्यूज चैनल सीएनएन ने इस रिपोर्ट की पोल खोली थी।

हाथ से बनती है फेश स्पेगेटी

इटली के कई घंटे में स्पेगेटी हाथों से बनती है, आटे को हाथ की मदर से लंबा-लंबा बत्ती के तरह बनाया जाता है, वहीं, अजकल कुछ मिलाने आ रही है जिसमें आटा डालते ही स्पेगेटी लंबी-लंबी निकलने लगती है, इस ताजी स्पेगेटी को एक घंटे के अंदर ही बना लिया जाता है और इसका टेस्ट भी बहुत हटकर होता है, वहीं, बाजार में ड्राई स्पेगेटी बिकती है, यह सब फैक्ट्री में बनी होती है, इसे पहले पानी में तबाला जाता है और इसके बाद बनाया जाता है।

टमाटर की सांस के बिना अधिक

पासा की कल्पना बिना टामटर की सांस के नहीं की जा सकती, पासा को पॉपुलर टोमटो सॉस ने ही बनाया है, स्पेगेटी भी पासा ही है इसलिए इसी को पिलाया जाता है, दरअसल पासा को पहले सैक्स के तरह पर खाया जाता था, यह ड्राई होता था लैकिन जब सैक्स बनती है तो पासा ड्राई होता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेव्ह को दूध में उबाला जाता है जबकि नुडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है।

स्पेगेटी बैवर्ड और नुडल्स में कफ़्

स्पेगेटी इश्वर माम के गैरू से बनती है, गैरू के आटे को पानी में मिलाकर गूंथ जाता है और पिंर इसे सुखाया जाता है, सेव्ह मैदा से बनती है जबकि नुडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है, नुडल्स चीन में बनाई गई थी, स्पेगेटी को उब







# उत्तर प्रदेश भाषा विभाग द्वारा कवि गोपाल दास नीरज की 100वीं जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ

भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के नियंत्रणाधीन उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान आज दिनांक 04.01.2025 को पद्म भूषण डॉ गोपाल दास नीरज की 100 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में कवि गोपाल दास नीरज का साहित्यिक अवदान विषयक संगोष्ठी आयोजन नेशनल पी०जी० कॉलेज के प्रांगण में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री विद्या लिंदु जी ने की, उन्होंने अपने

वक्तव्य में कहा कि नीरज जी का व्यक्तित्व प्रेरक है उनका ह्याएक स्वप्न के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है, हड़ जैसे गीत आज भी प्रेरणा देते हैं, वे मानवता के कवि उन्होंने अनें बाली पीढ़ी को अपनी गीतों की विरासत छोड़ी है। मुख्य वकाल प्रौढ़ हरि शंकर मिश्र जी ने नीरज जी के व्यक्तित्व को विस्तार पर्याप्त रखते हुए कहा कि वे संघर्ष से ही वे सफलता के शिखर को संरक्षण कर सके। काव्य प्रतिभा

## तिब्बती साहित्यिक स्रोतों की रूपरेखा



"इस शोध परियोजना का उद्देश्य समकालीन तिब्बती साहित्यिक स्रोतों की पड़ताल, उनका वार्ताकरण और विशेषण था। इस केंद्र में अनुवाद की भूमिका नियमित रही। इस शोध-वात्रा के अंतर्गत 19 विशेष व्याख्यान, 1 दोवित्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, तिब्बती भाषा और तिब्बती रहवाल मेडिसिन पर 1 एकत्रितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी वाचन-कार्यशाला, फिल्म स्क्रीनिंग और पार्चाचार्चा का आयोजन किया गया। इसे क्रम में दिल्ली, बालाकुप्पे, सरानाथ, वौद्धाया, नालंदा, पटना आदि की वाचाओं द्वारा विशेष महाविष्णुवार्णी तिब्बती संस्थानों में फैलावन किया गया। इनके द्वारा तिब्बती भाषा और शिक्षा, तिब्बती साहित्य, संस्कृति, लोक एवं निर्वासित तिब्बती अवाम की आकांक्षाओं के बारे में विपुल ज्ञान की प्राप्ति हुई। इनके साथ ही हमने 'संकल्प' प्रतिक्रिया के साथ जुड़ कर तिब्बती साहित्यिक स्रोतों के क्षेत्र में काम कर रहे अधिकारी एवं शोध-पत्र आधिकारियों से शोध-पत्र आधिकारियों से प्राप्त निष्कारों का साथ दिया है" (अधिकारी संपादकीय/संकल्प: जुलाई-सितंबर, 2024)। 402 पृष्ठ के इस भीमकाय विशेषक के अतिथि संग्रहक डॉ. भीम सिंह और उनके समस्त सहयोगी सचिवम् अधिनंदन के पात्र हैं। उनके इस कार्य को ही वाचाओं द्वारा विशेष महाविष्णुवार्णी तिब्बती संस्थानों को सुनिश्चित समृद्धि प्रदान की है। 'संकल्प' प्रतिक्रिया को भी बधाई! 'डेली हिंदी मिलान' वाले एकाएम सलीम और मेरे लिए आज के इतिहास-राजनीति रहा की भी आर अंबेकर सार्वीत्रीय विकास के डॉ. अविनाश ने एक अकादमिक वैदेत के बहाने डॉ. भीम सिंह से भेंट का अवसर मुहैया करा दिया और हमें वह अप्रत्याशित भेंट मिल गई।

## अज्ञात वाहन की टोकर से दो बाइक सवार युवकों की मौत

बहाराइच

वाहन

गाड़ी

वाहन

व